

सामंतेश्वर वि. (तत्.) सम्राट, राजेश्वर, महाराजा, चक्रवर्ती सम्राट, सामंतों का स्वामी।

सामनारायणी स्त्री. (तत्.) संगीत में कर्नाटक पद्धति की एक रागिनी।

साम' पुं. (तत्.) 1. चार वेदों में से एक वेद का नाम 'सामवेद' 2. वेद के गाए जाने वाले मंत्र, साम-गान, स्तुतिमंत्र 3. शांत करना, शान्तिकरण 4. सांत्वना 5. राजनीति के चार उपाय (साम, दाम, दण्ड, भेद) में से एक आयु. जो अच्छी प्रकार से पचा न हो वि. (तद्.) श्याम वर्ण, काला रंग वि. (अर.) 'सीरिया' देश का प्राचीन नाम, शाम देश।

सामक पुं. (तत्.) 1. सान चढ़ाने का पत्थर 2. साँवाँ 3. मूलधन वि. सामवेद संबंधी।

सामकारी वि. (तत्.) 1. सांत्वना देने वाला, शांत करने वाला 2. मधुरभाषी, मृदुभाषी पुं. एक प्रकार का सामगान।

सामग पुं. (तत्.) 1. सामवेदी ब्राह्मण 2. सामवेद के मंत्रों का विधिपूर्वक गान करने वाला 3. विष्णु का एक नाम।

सामगाता वि. (तत्.) सामवेद के मंत्रों का गान करने वाला।

साम-गान पुं. (तत्.) सामवेद के मंत्रों का गायन।

सामग्री स्त्री. (तत्.) 1. आवश्यक वस्तुओं का समूह 2. अनेक लाभप्रद वस्तुओं के मिश्रण से तैयार वह विशिष्ट पदार्थ जो यज्ञ में आहुति के लिए प्रयोग में लाया जाता है, यज्ञ-सामग्री 3. सामान, साधन।

सामज वि. (तत्.) साम से उत्पन्न पुं. हाथी, जिसकी उत्पत्ति सामगान से मानी गई है।

सामत स्त्री. (अर.) शामत, दुर्भाग्य, विपत्ति।

सामत्रय पुं. (तत्.) सौंठ, हरे और गिलोय का समाहार।

सामन पुं. (तद्.) सावन (महीने का नाम) स्त्री. एक विशेष प्रकार की ऐसी मछलियों का वर्ग

जिनका मांस पाश्चात्य देशों में बहुत चाव से खाया जाता है। sealman

सामना पुं. (तद्.) 1. भेंट, मुलाकात 2. लड़ाई, मुठभेड़, मुकाबला 3. किसी वस्तु का अगला हिस्सा, अग्रभाग 4. किसी के समक्ष होने की अवस्था या क्रिया।

सामनी स्त्री. (तद्.) पशुओं को बाँधने की रस्सी।

सामने क्रि.वि. (देश.) आगे, सम्मुख, समक्ष मुकाबले में किसी वस्तु के अगले भाग में जिस ओर मुख हो, सीधे उसी ओर।

सामयिक वि. (तत्.) 1. समय संबंधी 2. ठीक समय पर होने वाला नियत समय पर होने वाला 3. वर्तमान काल संबंधी जैसे- सामयिक पत्र 4. अस्थायी।

सामयिकता स्त्री. (तत्.) 1. सामयिक होने का भाव, अवस्था 2. वर्तमान समय या परिस्थिति आदि के विचार से उचित दृष्टि, अवसर के अनुकूल दृष्टि।

सामयिक पत्र पुं. (तत्.) 1. भारतीय धर्मशास्त्र में वह दस्तावेज या इकरारनामा जिसमें बहुत से लोग अपना-अपना धन लगाकर किसी मुकदमे की पैरवी करने के लिए आपस में लिखा-पढ़ी करते थे 2. नियत समय पर निरंतर निकलता रहने वाला कोई पत्र या प्रकाशन periodical

सामयिकी स्त्री. (तत्.) 1. सामयिक होने की अवस्था या भाव 2. सामयिक बातों से संबंध रखने वाली चर्चा या विवेचन।

सामयोनि पुं. (तत्.) 1. ब्रह्मा 2. हाथी।

सामर वि. (तत्.) 1. युद्ध संबंधी, युद्ध का 2. श्यामल, साँवला वर्ण।

सामरथ वि. (तद्.) सामर्थ्य, शक्ति।

सामरा वि. (तद्.) वासदेव, कृष्ण, श्याम वि. साँवला, श्याम वर्ण वाला।

सामराधिय पुं. (तत्.) सेनापति।